‘पुनर्नवा’ हिंदी साहित्य परिषद्

1 जुलाई 2024 को वसंत कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा पुनर्नवा हिंदी साहित्य परिषद् की स्थापना की गई। इस परिषद की सफलता हिन्दी भाषा की गरिमा को समर्पित है।

उद्देशिका

हमारा 'पुनर्नवा हिंदी साहित्य परिषद्', विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभा के स्फुरण के साथ उनमें प्रबंधन नेतृत्व कौशल के साथ साहित्यिक ,ऐतिहासिक सामाजिक और सांस्कृतिक समझ उत्पन्न करने में मेरुदंड का कार्य करता है।

हमारे महाविद्यालय का हिंदी विभाग इस 'पुनर्नवा हिंदी साहित्य परिषद्' के गठन में शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों को भी सम्मिलित करता है । इस पुनर्नवा परिषद के सुचारू संचालन के लिए कार्यकारिणी के औपचारिक गठन के साथ विभाग के प्रभारी द्वारा एक परामर्श समिति भी गठित की जाती है। जिसमें महाविद्यालय के अतिरिक्त साहित्यिक क्षेत्र के बाह्य विशेषज्ञों को भी कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाता है।

इस कार्यकारिणी के सदस्यों को सक्रिय सहयोग प्रदान करने के लिए स्नातक एवं परास्नातक स्तर की सभी कक्षाओं के सभी विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाता है।

यह पुनर्नवा हिंदी साहित्य परिषद्' सत्र आरंभ में प्रतिवर्ष नवागंतुक छात्राओं के लिए परिचय समारोह स्नातक और परास्नातक के अंतिम सत्र के विद्यार्थियों के लिए विदाई(शुभस्करी कामना) समारोह तथा विभागीय प्रतिमान के प्रतिष्ठा के लिए विभिन्न साहित्यिक सांस्कृतिक मनोरंजक संगोष्ठियों, संवादों के अतिरिक्त 'लेखक के घर चलो', 'लेखक से संवाद',' महापुरुषों और संतों की जयंतियां विविध विषयों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां काव्य गोष्ठियां, सांगीतिक (साहित्यिक) आयोजन प्रतियोगिताएं जिनमें भाषण, वाद-विवाद ,निबंध लेखन, काव्य लेखन ,कहानी वाचन, नाट्य वाचन ,अंत्याक्षरी, इमला, पोस्टर ,स्वरचित काव्य पाठ, पररचित काव्य प्रस्तुति, देशभक्ति गीत, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करता है।

अपने इन्हीं सृजनात्मक और सांस्कृतिक वैशिष्टयों और शत- प्रतिशत परीक्षा परिणाम तथा अनेक बार विद्यार्थियों द्वारा स्वर्ण पदकों की प्राप्ति के कारण वसंत कन्या महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रक्रिया के समय प्रथम वरीयता पर आकर्षण का केंद्र बना रहता है।

पुनर्नवा हिन्दी साहित्य परिषद् के चयनित सदस्य (2024-25)

अध्यक्ष

अनुपमा त्रिपाठी

उपाध्यक्ष

रिशिता

सचिव

प्रिया सिंह

महासचिव

शालिनी मिश्रा

कोषाध्यक्ष

पूजा यादव

सहकारी सदस्य :-

- प्राची सिंह
- तनूजा मिश्रा
- संस्कृति कुशवाहा
- संजना पाठक
- ज्योति यादव
- जोया परवीन

पुनर्नवा हिंदी साहित्य परिषद द्वारा संचालित

सत्र - २०२४-२५ के कार्यक्रम :-

कार्यक्रम – १

पुरा छात्रा सम्मेलन (ऑनलाइन)

दिनांक – ९ अगस्त २०२४

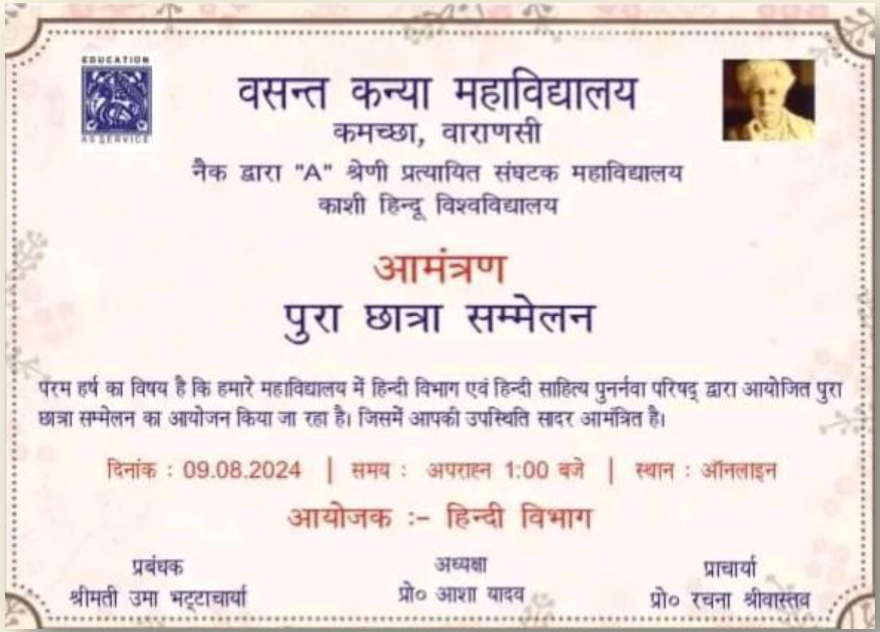

सम्मेलन में पूर्व छात्राओं ने पुरानी स्मृतियों को सांझा किया

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी के हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य पुनर्नवा परिषद् द्वारा अपराह्न 1:00 बजे पुरा छात्रा सम्मेलन (ऑनलाईन) का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्राचार्या प्रो0 रचना श्रीवास्तव ने किया। तत्पश्चात् हिन्दी विभाग की अध्यक्षा प्रो0 आशा यादव ने छात्राओं को उनके सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। डॉ0 सपना भूषण ने स्वागत वक्तव्य दिया। उन्होनें सभी शिक्षिकाओं एवं छात्राओं का स्वागत किया। हिन्दी विभाग की शिक्षिका एवं पुरा छात्रा डॉ0 शुभांगी श्रीवास्तव ने महाविद्यालय के सुखद क्षणों को याद करते हुए अपने अनुभव साझा किये एवं गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में डॉ0 ज्योति गुप्ता एवं राजलक्ष्मी ने महाविद्यालय की शिक्षिकाओं के विषय में साकारात्मक अनुभव साझा किये। इसी कड़ी में डॉ0 प्रीति विश्वकर्मा ने एक सुन्दर कजरी प्रस्तुत किया। डॉ0 ज्योति सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर, तिब्बती शोध संस्थान) ने भी महाविद्यालय से जुड़ी अपनी भावनाओं को उजागर किया। पुरा छात्रा ज्योति चंदानी, श्रेया शांडिल्य, अनुपमा, आँचल, सोनाली, आशना प्रजापति सभी ने अपनी यादें ताजा कीं। डॉ शशिकला ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। संचालन डॉ0 प्रीति विश्वकर्मा ने किया।

कार्यक्रम – २

तुलसीदास तथा नंददास जन्म जयंती
दिनांक – १३ अगस्त २०२४

वाराणसी | बुधवार • 14 अगस्त • 2024

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

सेनानी, श्रद्धेय भीकाजी कामा
की लड़ाई में आपके अतुलनीय

भारत की बहुलतावादी संस्कृति को जानने के लिए रामकाव्य पढ़ना जरूरी

वसंत कन्या महाविद्यालय में तुलसी व नंददास जयंती का आयोजन

वाराणसी (एसएनबी)। वसंत कन्या महाविद्यालय हिन्दी विभाग द्वारा गठित हिंदी साहित्य पुनर्नवा परिषद के माध्यम से मंगलवार को तुलसी जयंती एवं नंददास जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीएचयू हिंदी विभाग से मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में प्रो प्रभाकर सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की बहुलतावादी संस्कृति को जानने के लिए रामकाव्य पढ़ना बहुत जरूरी है। इसमें भी तुलसीकृत रामकथा का बहुत महत्व है। रामचरित मानस कवितावली का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि तुलसीदास मर्मस्पर्शी बौद्धिकता के कवि है। आयोजन में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्राओं क्रमशः अनुपम तनुजा रीशिता एवं प्रिया द्वारा तुलसीदास जी के जीवन पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की गयी। स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा तनु मिश्रा ने नंददास के पद की संगीतात्मक प्रस्तुति दी। संगीत गायन विभाग के वर्षा मंगल पर आधारित द्विदिवसीय कार्यशाला का सुरम्य समापन भी हुआ। महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा मनस्विनी क्लब और देवा सोसाइटी फॉर चाइल्ड केयर के बीच एमओयू के अंतर्गत रक्षाबंधन मेला आयोजित किया गया। इस मेले में विशेष रूप से सक्षम बच्चों ने कॉलेज परिसर में राखी की प्रदर्शनी और बिक्री की। इसके पहले महाविद्यालय के छात्रा अधिष्ठाता प्रकोष्ठ की ओर से परास्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिये अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र प्रतिनिधि का चुनाव किया गया। साथ ही स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'विकसित भारत' विषय पर चित्रकला विभाग द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता छात्राओं में प्रथम अन्या विश्वकर्मा, चित्रकला विभाग, द्वितीय प्रेरणा राय, चित्रकला विभाग, तृतीय शिवानी कुमारी, चित्रकला विभाग एवं सान्त्वना पुरस्कार काजल पाण्डेय, संस्कृत विभाग को महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

महाविद्यालय की प्रबंधिका उमा भट्टाचार्य ने तुलसीदास एवं नंददास की जयंती पर शुभकामना[एं] दिया। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्या प्रो रचना श्रीवास्तव ने कहा कि तुलसीदास का जीवन अत्यंत कठिन रहा किंतु उन्होंने महाकाव्य रामचरित मानस की रचना करके समाज के समक्ष एक लोक आदर्श प्रस्तु[त] किया जिसे समझना और अपने जीवन में उतारन[ा] आज के समय की मूलभूत आवश्यकता है। कार्यक्रम शुभारंभ संगीत विभागाध्यक्षा प्रो सीमा वर्मा के निर्देशन कुलगीत व तुलसीदास प्रशस्ति संगीत विभाग की छात्राओं के माध्यम से हुआ। डॉ सपना भूषण द्वारा अतिथियों का स्वागत, अभिनंदन व संचालन डॉ शुभांगी श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ शशिकला ने किया। विभागाध्यक्षा प्रो. आशा यादव मौजूद थे।

कार्यक्रम – ३

शिक्षक दिवस
एवं
परास्नातक नवागंतुक छात्रा स्वागत समारोह
दिनांक – ०५-०९-२०२४

कार्यक्रम – ४

हिंदी दिवस समारोह
दिनांक – १४ सितंबर २०२४

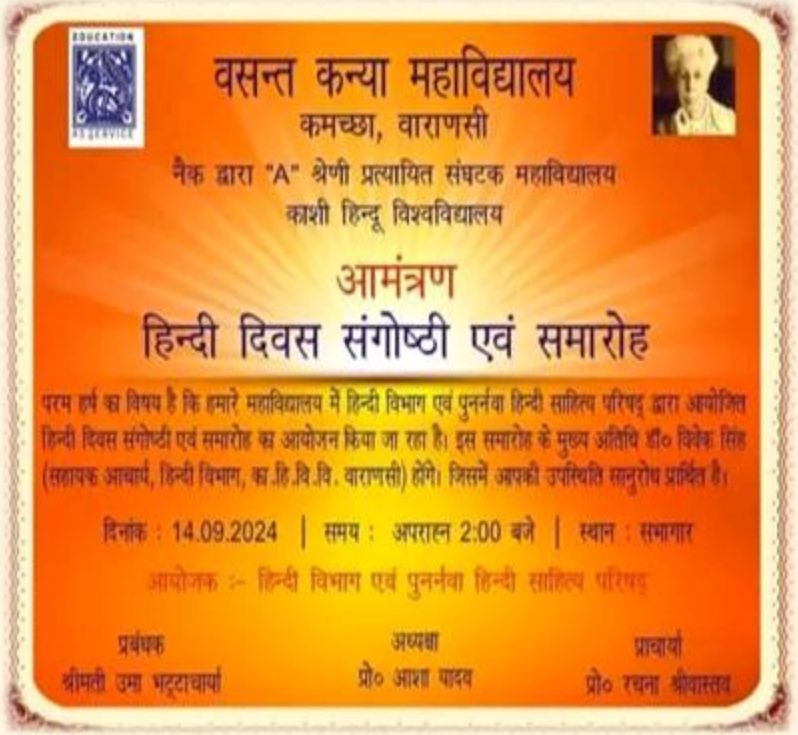

डिजिटल क्रांति का युग और हिन्दी भाषा की भूमिका विषय पर विमर्श

वाराणसी। वसन्त कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में पुनर्नवा हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में ''डिजिटल क्रांति का युग और हिन्दी भाषा की भूमिका'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा को आत्मविश्वास पूर्वक पढ़ने-लिखने एवं व्यवहार में प्रयोग के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि डॉक्टर विवेक सिंह, सहायक आचार्य हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय रहे। कार्यक्रम में डॉ. सपना भूषण, संगीत विभाग से डॉक्टर पूनम वर्मा, डॉक्टर शशिकला, डॉक्टर शुभांगी श्रीवास्तव, डॉक्टर प्रीति विश्वकर्मा ,सुश्री राजलक्ष्मी जायसवाल एवं श्री सौम्यकान्ति मुखर्जी उपस्थिति रहीं। संचालन स्वाति पाण्डेय तथा अनन्या सृष्टि एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुपमा त्रिपाठी द्वारा किया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में हिन्दी की चुनौतियों पर चर्चा

वाराणसी (जनवार्ता)। वसन्त कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में पुनर्नवा हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग ने हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में डिजिटल क्रांति का युग और हिन्दी भाषा की भूमिका विषयक संगोष्ठी का आयोजन शनिवार को किया गया।इस दौरान कार्यक्रम में प्राचार्या प्रो रचना श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा को आत्मविश्वास पूर्वक पढ़ने-लिखने एवं व्यवहार में प्रयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक सिंह, सहायक आचार्य हिन्दी विभाग, बीएचयू ने हिन्दी भाषा को राजभाषा के रूप में मान्यता मिलने से लेकर वर्तमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में उसकी जटिलताओं और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश

डाला। कार्यक्रम में डॉ. सपना भूषण द्वारा हिन्दी दिवस को केंद्र में रखकर भाव प्रवण हिन्दी शीर्षक स्वरचित कविता का पाठ किया गया तथा 'हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही राजलक्ष्मी ने भी स्वरचित कविता पाठ किया। वही, संगीत विभाग से डॉ. पूनम वर्मा ने कबीर भजन की प्रस्तुति दी एवं प्रकृति जायसवाल ने हिन्दी के महत्व पर अभिभाषण एवं सोनम यादव ने अमीर खुसरो के गीत की प्रस्तुतियों से आयोजन को रंग प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ.शशिकला, डॉ. शुभांगी श्रीवास्तव, डॉ. प्रीति विश्वकर्मा, राजलक्ष्मी जायसवाल, सौम्यकान्ति मुखर्जी सहित अन्य महाविद्यालय के शिक्षक एवं विधार्थी मौजूद रहें। संचालन स्वाति पाण्डेय, अनन्या सृष्टि एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुपमा त्रिपाठी द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम - ५

एकल व्याख्यान
दिनांक – २८ सितंबर २०२४

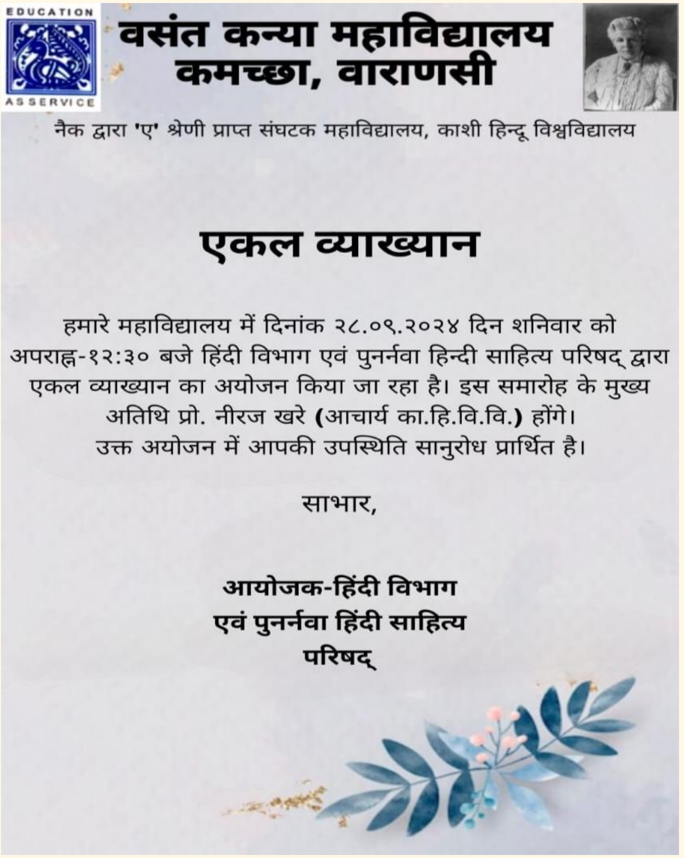

हिन्दी की जड़ें उसकी बोलियों में हैं निहित

वाराणसी। वसन्त कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में पुनर्नवा हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग ने 'हिन्दी कल, आज और कल' विषयक एकल व्याख्यान का आयोजन किया। मुख्य अतिथि प्रो. नीरज खरे, आचार्य हिन्दी विभाग, बीएचयू ने हिन्दी के आदि कवि अमीर खुसरो से प्रारम्भ करते हुए हिन्दी भाषा के अतीत पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिन्दी की जड़ें उसकी बोलियों में निहित हैं। हिन्दी की बोलियां ही उसे निर्मित और समृद्ध करती हैं। कार्यक्रम की सफलता के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने शुभकामना एवं आशीर्वाद प्रेषित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. आशा यादव ने अपनी शुभेच्छाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि के स्वागत एवं डॉक्टर सपना भूषण के स्वागत वक्तव्य से हुआ। कार्यक्रम का संचालन परास्नातक अंतिम वर्ष की छात्रा रिशिता एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुपमा त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. शशिकला, डॉ. प्रीति विश्वकर्मा, डॉ. ज्योति गुप्ता, राजलक्ष्मी जायसवाल के साथ ही महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

वीकेएम में हिंदी कल-आज और कल पर व्याख्यान

वाराणसी (जनवार्ता)। वसन्त कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में पुनर्नव हिन्दी साहित्य परिषद हिन्दी विभाग द्वारा शनिवार को हिंदी कल,आज और कल विषयक एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो नीरज खरे, आचार्य हिन्दी विभाग बीएचयू ने हिन्दी के आदि कवि अमीर खुसरो से प्रारम्भ करते हुए हिन्दी भाषा के अतीत पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की सफलता के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने शुभकामन एवं आशीर्वाद प्रेषित किया। जहाँ विभागाध्यक्ष प्रो आशा यादव ने भी अपन शुभेच्छाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के स्वागत एवं डॉक्ट सपना भूषण द्वारा स्वागत वक्तव्य से हुआ। कार्यक्रम का संचालन परास्नात अंतिम वर्ष की छात्रा रिशिता एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुपमा त्रिपाठी ने दिया। इ अवसर पर डॉ. शशिकला, डॉ. प्रीति विश्वकर्मा, डॉ. ज्योति गुप्ता, राजलक्ष्मी जायसवाल सहित अन्य महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल रहे।